

# दोस्त की सेक्सी मॉम के साथ सेक्स किया

“मेरे एक दोस्त के पापा नहीं है, मैं पहली बार उसके घर गया तो उसकी सेक्सी मॉम को देखा, वो काफी सुंदर थी और उनकी बड़ी बड़ी आँखें उनके बदन की प्यास दर्शा रही थी. मैंने उन आंटी को कैसे चोदा. ...”

Story By: (parthpatel)

Posted: Friday, September 21st, 2018

Categories: [चुदाई की कहानी](#)

Online version: [दोस्त की सेक्सी मॉम के साथ सेक्स किया](#)

# दोस्त की सेक्सी माँ के साथ सेक्स किया

दोस्तो, मेरे एक दोस्त की सेक्सी माँ की यह कहानी तब की है जब मैं कॉलेज में पढ़ाई करता था.

मेरा नाम पार्थ है और मैं सूरत गुजरात से हूँ. मेरी उम्र 23 साल की है. मैंने ज्यादा लड़कियों के साथ तो सेक्स नहीं किया है, लेकिन जिनके साथ भी किया है, बहुत ही अच्छे से उन्हें चोदा है. मुझे आँटियों को चोदने का बड़ा शौक है. उनके बड़े बड़े मम्मों और बड़े बड़े चूतड़ मुझे अपनी तरफ खींचते हैं. इस वजह से मैं सिर्फ अब आँटियों की चूत लेने की ही फिराक में रहता हूँ, लेकिन अभी तक मैंने किसी आँटी की चूत नहीं ली है. क्योंकि मुझे कभी ऐसा मौका नहीं मिल पाया.

अब जरा दूसरी तरफ की बात कर लेते हैं. मेरी मां बड़ी ही सीधी हैं, वह सिर्फ अपने काम से मतलब रखती हैं और कॉलोनी में ज्यादा इधर उधर नहीं जाती हैं. जबकि हमारी कॉलोनी की जितनी भी औरतें हैं, सब किटी पार्टी और कहीं इधर उधर जाती हैं, लेकिन मेरी मां को कहीं भी जाना पसंद नहीं है. वह सिर्फ घर में रहना ही पसंद करती हैं और वह काफी शांत स्वभाव की हैं. मेरे पिताजी भी इसी तरीके के हैं. वह भी अपने काम में बिजी रहते हैं और सिर्फ अपने काम से ही मतलब रखते हैं, बाकी उन्हें भी कहीं आने जाने का कुछ ज्यादा शौक नहीं है.

कॉलेज में मेरे बहुत सारे दोस्त थे लेकिन सिर्फ कॉलेज तक ही सीमित रहे, सब लोग अपने घर जाते हैं और ज्यादा किसी से मतलब नहीं रखते. ये सब बातें मुझे जरा अटपटी सी लगती थीं. मुझे खुल कर जिन्दगी जीने में मजा आता है.

खैर.. उस वक़्त हमारे कॉलेज में एक नया लड़का आया, उसका नाम हरीश था हरीश और

मेरी पहले से बिल्कुल भी नहीं बनती थी क्योंकि वह कुछ ज्यादा ही एटीट्यूड में रहता था. मुझे लगता था कि बहुत ही ज्यादा घमंडी किस्म का लड़का है, इसलिए मैं उससे बिल्कुल बात नहीं करता था और ना ही वह मुझे पसंद था. लेकिन जैसे जैसे समय बीता तो मुझे लगा कि वह एक अच्छा लड़का है और काफी मदद भी करता है.

धीरे धीरे मेरी उससे बहुत अच्छी दोस्ती हो गई. अब हम दोनों काफी अच्छे दोस्त बन चुके थे. मैं उसे अपने घर भी लेकर जाता था, हालांकि मैं कभी उसके घर नहीं गया था. मैंने उसे अपने माता-पिता से भी कई बार मिलाया था. मेरे माता-पिता भी उसकी बड़ी तारीफ़ करते थे. वह कहते थे कि हरीश एक अच्छा लड़का है. मेरे घरवाले उस पर बहुत ही भरोसा करने लगे थे.

एक दिन वह कहने लगा कि तुम मेरे घर चलना.  
मैंने कहा- ठीक है, देखते हैं.

इत्तेफाकन उसकी मां का जन्मदिन था तो उसने मुझसे कहा कि आज मेरी मम्मी का जन्मदिन है. आज तुम मेरे घर शाम को आ जाना और अपने मम्मी पापा को भी लेकर आना.

मैंने कहा- ठीक है, मैं अपने मम्मी पापा को भी ले आऊंगा, अगर वह आते हैं. तुम तो जानते हो, उनको कहीं भी आना जाना पसंद नहीं है.

मैं ये बात समझ रहा था कि मेरे माता पिता जी जाने वाले नहीं हैं, लेकिन ना जाने उनको आज क्या हो गया और वे मान गए.

मैंने जब उनसे चलने के लिए कहा तो उन्होंने कहा- ठीक है.. हम तेरे साथ चलते हैं.

अब वह भी मेरे साथ हरीश के घर चल पड़े. हम लोग जैसे ही हरीश के घर पहुंचे तो हमने उसकी मम्मी को गिफ्ट दिया. हरीश ने अपनी मम्मी से हम सभी का इंट्रोडक्शन करवाया.

मैंने जैसे ही उसकी मम्मी को देखा तो पाया कि उनकी नजरें मेरी तरफ ही देख रही थीं. उनकी आंखें बहुत बड़ी बड़ी थीं, वह काफी सुंदर थीं. वह किसी भी एंगल से नहीं लग रही थीं कि हरीश की मां हैं. वे उम्र में काफी छोटी लग रही थीं. उन्होंने अपने आप को बहुत ही मेंटेन करके रखा हुआ था. उनके स्तन भी बिल्कुल मेंटेन थे और उनकी गांड भी हल्की सी बाहर निकली हुई थी जिससे कि मुझे उन्हें देखकर अन्दर से सेक्स की भावना जाग गई.

मैंने भी हरीश की मम्मी से बातें करना शुरू कर दिया और उन्हें जन्मदिन की बधाइयां दीं. वह बहुत खुश हो गईं.

मेरी मां उनकी काफी तारीफ करने लगीं. हरीश के पिताजी का देहांत काफी समय पहले ही हो चुका था. उसकी मां अकेली ही घर पर रहती हैं. उसके पिताजी सरकारी कर्मचारी थे, तो उनकी पेंशन से ही उनका घर चलता है.

हम सभी काफी देर हरीश के घर रुके. खाना आदि भी हुआ. उसके बाद अब मैंने हरीश की मां से जाने की परमिशन ली और हम लोग वहां से अपने घर के लिए निकलने को हुए. जैसे ही हम अपने घर के लिए निकल रहे थे तो आंटी ने मुझसे कहा कि बेटा तुम अपना नंबर दे दो. कई बार हरीश को कॉलेज से आने में देर हो जाती है, तो मैं तुम्हें ही फोन कर लिया करूंगी.

मैंने उन्हें अपना नंबर दे दिया.

उस दिन हम दोनों में बस इतना ही हुआ मैंने देखा कि आंटी के चेहरे पर एक अजीब सी चमक थी.

उसके घर से आने के बाद आंटी से मेरी व्हाट्सैप पर चैट होने लगी. धीरे धीरे हम लोग मैसेज में ही बात करने लगे.

मैं उन्हें काफी हंसी मजाक वाले मैसेज करता था. वह मेरे मैसेज पढ़ कर बहुत ज्यादा खुश

हो जाती थीं.

अब वह मुझे फोन भी करने लगीं, हमारी फोन पर भी काफी बातें होने लगीं. लेकिन यह बात हरीश को नहीं पता थी. कई बार मेरी हरीश से कॉलेज में इस बारे में भी बात होती थी कि मेरे माता पिता तो सिर्फ घर में रहना ही पसंद करते हैं. वह ज्यादा इधर-उधर भी नहीं जाते हैं.

हरीश कहने लगा- मेरी मां तो बहुत ही घूमती रहती हैं, जब जो मन करता है, वह उस तरीके से रहती हैं. वह अपने आप पर बहुत ज्यादा ध्यान देती हैं.

मैं उससे बोला- काश मेरे माता-पिता भी ऐसे ही होते.

एक दिन मुझे बहुत जरूरी काम था, तो मैं हरीश के घर चला गया. जैसे ही मैंने उसके घर की बेल बजाई तो उसकी माँ ने दरवाजा खोला.

मैंने उनसे पूछा- आंटी क्या हरीश घर पर है ?

उन्होंने कहा- हरीश तो अपने मामा जी के यहां गया हुआ है, दो दिन बाद ही लौटेगा.

मैं अब जाने लगा तो वह मुझे कहने लगीं- कहां जा रहे हो.. इतने दिन बाद आए हो, चाय पी कर तो जाओ.

उन्होंने मुझे रोक लिया. मैंने उनकी टेबल पर देखा, तो उधर एक शराब की बोतल रखी हुई थी.

तो मैंने उनसे पूछ लिया- आंटी यह शराब कौन पीता है ?

उन्होंने बिंदास कहा- मैं पीती हूं.

मैंने भी उन्हें कहा- क्या वाकयी में आप शराब पीती हैं ?

उन्होंने कहा- हां.

मैं चुप हो गया.

वह मुझसे पूछने लगीं- क्या तुम भी पीते हो ?

मैंने उन्हें कहा- हां.. मैं भी पीता हूं, पर कभी कभार ही पीता हूं.

यह सुनकर वे अलमारी से दो गिलास ले आईं और पैग बना कर मुझे भी शराब पिला दी.

शराब पीते वक्त उनकी हरकतें कुछ नाँटी सी हो रही थीं, मेरे दोस्त की सेक्सी माँम मुझे एडल्ट जोक सुनाने लगीं और बार बार झुक झुक कर अपने मम्मे दिखाने लगीं.

एक तो शराब का नशा और ऊपर से आंटी की मदमस्त जवानी का सुरूर सामने मुझे गर्म कर रहा था. कुछ ही देर में मुझे भी हल्का नशा हो गया था. मैंने उनसे कहा कि आप बड़ी ही माल लगती हैं.

वो हंस दीं और बोलीं- किस तरफ से माल हूँ ?

मैंने कहा कि मुझे आपके मम्मे बड़े ही अच्छे लगते हैं.

यह सुन कर वो मुझे गुस्से से देखने लगीं और बड़ी कड़क आवाज़ में मुझसे कहा- मैं तुमसे थोड़ा फ्रेंक क्या हुई.. तुम अपनी हद भूल गए.

ये सुन कर मेरा सारा नशा उतर गया और मैं उनसे माफी माँगने लगा.

लेकिन वो बोलने लगीं कि मैं ये बात तुम्हारे मम्मी पापा को बोलूँगी.

इससे मैं और डर गया. मैं उनसे हाथ जोड़ कर माफी माँगने लगा.

बहुत मनाने पर वो मान गईं और उन्होंने मुझे बताया कि ये सब अपनी उमर की लड़की को बोलो, तो अच्छा लगता है.

तब मैंने उनको अचानक बोल दिया कि मैं क्या करूँ, आप मुझे ज्यादा पसंद हो.

यह सुन कर उनको झटका सा लगा और उन्होंने कहा कि ये तुम सिर्फ मेरे साथ सेक्स रिलेशन बनाने के लिए बोल रहे हो.

मैंने कहा कि नहीं मैं आपसे धोखा नहीं करूँगा.. ऐसा नहीं है कि आपसे एक बार सेक्स करके मेरी आपके लिए फीलिंग कम हो जाएगी. अगर आपको यकीन ना हो तो मैं आपको टच

भी नहीं करूँगा. आपके पूछे बिना ऐसा हो तो आप खुद टेस्ट ले लो.

ये बोल कर मैं वहाँ से चला गया.

उसके बाद हमारी कॉल और व्हाट्सैप पर बात होती रही. कुछ दिनों बाद शायद उनको मुझे पर विश्वास हुआ. फिर वो दिन आ गया, जिसका मुझे इंतजार था. उन्होंने मुझे अपने घर बुलाया और मैं पहुंच गया.

मैंने देखा कि वो एकदम मस्त टाइट लैगीज पहने हुई थीं और कुर्ता डाला हुआ था. वहाँ जाते ही मैंने उनको गले लगाया और उनको चूमने लगा. आज वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थीं.

फिर उन्होंने मुझसे कहा- तुमको मेरे बूब्स पसंद हैं ना ?

मैंने प्यार से उनके मम्मों को दबाते हुए कहा- हां !

वो गर्म होने लगीं. मैं उनको बेड पे ले गया और बड़े ही प्यार से उनके कपड़े निकाल दिए और उनके होंठों को चूमने लगा. उनका सहयोग भी मिल रहा था. इसके बाद मैंने काफ़ी देर तक आंटी के चूचे भी चूसे और उनको चित लिटा दिया. आंटी की चुत एकदम सफाचट थी. इसके बाद मैंने उनकी चुत चाटी. मुझे चुत चाटना कुछ ज्यादा ही पसंद है

अब आंटी मेरे सामने एकदम नंगी बैठ गई. मेरा लंड एकदम खड़ा हो गया और मैं उनके चूचों को अपने हाथ से दबाने लगा.

आंटी के रसीले मम्मे मुझे बहुत ज्यादा मुलायम लग रहे थे. उन्होंने भी मेरे लंड को पकड़ लिया और लंड हिलाने लगीं. आंटी के कोमल स्पर्श से मेरा लंड मोटा हो गया. उन्होंने मेरे लंड को अपने मुँह में लेकर चूसना शुरू कर दिया.

जब आंटी मेरे लंड को चूस रही थीं, मुझे बहुत अच्छा लग रहा था. अब मैंने 69 में होकर

उनकी योनि को चाटना शुरू कर दिया. मैं काफी देर तक ऐसे ही चूसता रहा.  
आंटी बोलीं- अब आगे भी कुछ करो ना.

मैंने सीधे होकर अपने लंड को उनकी चूत में डाल दिया और उन्हें कसकर पकड़ लिया.  
आंटी एकदम से छटपटाने लगी थीं. शायद उन्होंने काफी समय बाद लंड लिया था.  
उनकी छटपटाहट हुई.. तो मैंने उन्हें इतना कसकर पकड़ लिया कि वह हिल भी नहीं पा  
रही थीं और उनकी सांसें भी नहीं निकल रही थीं.  
मैं बड़ी तेजी से आंटी की चूत में धक्के लगाए जा रहा था और मेरा लंड अन्दर बाहर हो  
रहा था.

उनके स्तन हिल रहे थे.. मैंने आंटी के मम्मे अपने हाथों में पकड़ लिए और दबाने लगा. वह  
ऐसे ही चिल्लाती जा रही थीं.  
मुझे बहुत ही मजा आ रहा था. आज मेरी मुराद पूरी हो गई थी, जो मैंने सोचा था किसी  
आंटी के साथ सेक्स करने की.

मैंने उन्हें बहुत ही अच्छे तरीके से चोदा. अब मेरा माल गिरने वाला था तो मैंने आंटी की  
चूत में ही अन्दर डाल दिया.

झड़ जाने के बाद ऐसे ही काफी देर तक आराम से लेटा रहा. अब उन्होंने दोबारा से मेरे  
लंड को अपने हाथ में पकड़ते हुए हिलाना शुरू किया और मेरा लंड दोबारा से खड़ा हो  
गया.

इस बार मैंने उन्हें घोड़ी बना दिया और उन्हें चोदना शुरू किया.

इस बार मैंने उन्हें बहुत जबरदस्त तरीके से चोदा. मैंने उनके चूतड़ों को अपने हाथों से  
पकड़ा और धक्का देना शुरू किया. वह भी अपने चूतड़ों को हिलाती जाती थीं और मैं ऐसे



ही धक्का दे रहा था. वह मेरा पूरा साथ दे रही थीं. जिससे कि मुझे भी बहुत अच्छा लग रहा था.

ऐसे ही मैंने बहुत देर तक चोदना जारी रखा जिससे कि मेरा वीर्य गिरने वाला हो गया था. मैंने अपने लंड को बाहर निकालते हुए उनकी बड़ी-बड़ी गांड पर अपना वीर्य गिरा दिया. कुछ देर बाद उन्होंने अपने चूतड़ों से मेरे माल को साफ किया.

चुदाई के बाद हम दोनों ऐसे ही नंगे बैठे रहे. वे मुझसे कहने लगीं- जब भी तुम्हारा मन हो.. तो तुम हमारे घर आ जाना लेकिन आज के बाद तुम मुझे आंटी नहीं बुलाओगे. मैंने उन्हें कहा- ठीक है अब मैं आपको डार्लिंग बोलूंगा. आंटी खुश हो गईं और बस इसके बाद हम दोनों ने दो दो पैग लगाए और एक बार फिर से चुत लंड का खेल खेला.

अब हरीश की सेक्सी मॉम चोदने के लिए मैं उसके घर पर जाता रहता हूँ. जिससे कि मेरी इच्छा भी पूरी हो जाती है और उनकी भी चुदास मिट जाती है. उनको भी मेरे साथ चुदाई में ज्यादा मज़ा आता है. मैं उनको अपनी गर्लफ्रेंड की तरह मानता हूँ और वो भी मुझे अपना बॉयफ्रेंड मानती हैं.

एक दिन मैंने उनको प्यार से मना कर उनकी गांड भी मारी. इसके बाद तो जैसा ब्लू-फिल्मों में होता है, हम दोनों ने कई बार वैसे भी किया.

अब उनको मुझपे इतना विश्वास हो चुका था कि उन्होंने एक और भाभी के साथ मेरा मिलाप करवाया और सेक्स भी करवाया.

लेकिन अब वो दूसरे शहर में चली गई हैं.. और मैं फिर से अकेला हो गया हूँ.

यह थी मेरी टू सेक्स स्टोरी. दोस्त की सेक्सी मॉम की चुदाई की ... कहानी पसंद आई या

नहीं, मुझे अपना जवाब मुझे जरूर देना.

मेरी ईमेल आईडी है.

parthpatel832@gmail.com

